शुगर इंडस्ट्री को एक्सपोर्ट ड्यूटी रद्द होने की उम्मीद

[जयश्री भोसले | पुणे]

शुगर इंड्स्ट्री को उम्मीद है कि सरकार इस हफ्ते (सोमवार से शुरू होने वाले) चीनी पर लगी एक्सपोर्ट ड्यूटी रद्द कर देगी क्योंकि 2017-18 के दौरान देश में रिकॉर्ड चीनी उत्पादन होने का अनुमान है। इंडस्ट्री और केंद्र सरकार, दोनों ही अगले साल शुगर ईयर को लेकर काफी चिंतित है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि लगातार दूसरे साल चीनी का रिकॉर्ड उत्पादन होगा।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (ISMA) ने भारत में 2017-18 के लिए अपने चीनी उत्पादन के अनुमान को रिवाइज करते हुए पहले के अनुमान से बढ़ाकर इसे 2.95 करोड़ टन कर दिया है। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का दावा है कि 2018-19 में चीनी का उत्पादन इस साल की तुलना में कहीं ज्यादा रहेगा। अगले साल शुगर सीजन के दौरान ही लोकसभा चुनाव भी होने वाले हैं। ऐसे में सूत्रों का दावा है कि इसी वजह से सरकार हरसंभव कोशिश कर रही है कि किसानों को गन्ने के ज्यादा उत्पादन की वजह से परेशानी का सामना न करना पड़े।

शुगर इंडस्ट्री 2017-18 के क्लोजिंग स्टॉक को घटाने के लिए अक्टूबर 2018 में नया शुगर ईयर शुरू होने से पहले 15 से 20 लाख टन चीनी निर्यात करने का लक्ष्य लेकर चल रही है

शुगर इंडस्ट्री 2017-18 के क्लोजिंग स्टॉक को घटाने के लिए अक्टूबर 2018 में नया शुगर ईयर शुरू होने से पहले 15 से 20 लाख टन चीनी निर्यात करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इस मुद्दे को लेकर पिछले हफ्ते नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज (NFCSF) और ISMA के प्रतिनिधियों ने खाद्य मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात की थी। NFCSF के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रकाश नायकनवारे ने कहा, 'हमें इस बात की पूरी उम्मीद है कि सरकार बहुत जल्द चीनी पर से इंपोर्ट ड्यूटी हटा लेगी।'

पिछले दो साल से ज्यादा समय से चीनी की अंतरराष्ट्रीय कीमतें घरेलू कीमतों की तुलना में कम हैं। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दाम में 650 रुपये प्रति क्विंटल का अंतर होने के बावजूद इंडस्ट्री को उम्मीद है कि वह व्हाइट शुगर को मिडल ईस्ट, अफ्रीका और साउथ एशिया के देशों को निर्यात कर सकती है। इंडस्ट्री ने चीनी मिलों के लिए शुगर एक्सपोर्ट को अनिवार्य बनाने वाली स्कीम को फिर से लागू करने की भी मांग की। इसे 2015-16 में लागू किया गया था। इसमें चीनी की तय मात्रा निर्यात करने के लिए शुगर मिलों के लिए गन्ने पर 75 रुपये प्रति टन का इंसेंटिव मिलता था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मौजूदा साल को छोड़ दें तो वर्ष 2010-11 के बाद से भारत आयात के मुकाबले ज्यादा चीनी का निर्यात कर रहा है।

The Economic Times (Hindi)

12/3/18